कलेक्टर मीना ने आमजनों की सुनी समस्याएं

आवेदकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश

धार। कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस जनसुनवाई में कुल 105 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक चौधरी ने भी आवदेकों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े मामलों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का

लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है तथा प्रत्येक आवेदन पर नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

इस साप्ताहिक जनसुनवाई में मुख्य रूप से शिक्षा के अधिकारी अधिनियम के तहत प्रवेश दिलाने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, लाड़ली बहना योजना का लाभ दिलाने, खाद्यान्न सामग्री पुन: चालू करवाने, प्रधानमंत्री सुरक्षा बिमा योजना का लाभ दिलवाने, मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजना का लाभ दिलाने, विधवा पेंशन का लाभ दिलवाने, खाद्यान्न पर्ची निरस्त करने, खाल-बिज उपलब्ध कराने, एक बगिया मां के नाम योजना के तहत लंबित भुगतान करने, वन भूमि का पट्टा प्रदाय करने, पट्टे की भूमि पर जबरन कब्जा करने, शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने, विवाह हेतु आर्थिक सहायता प्रदाय करने, मकान का पट्टा प्रदाय करने, अधिक बिजली बिल माफ करने,फर्जी वन पट्टों को निरस्त करने, पीपीओ में सेवाकाल एक वर्ष कम बताने, 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने, खनिज खदान की लीज निरस्त करने, भूमि नामांतरण संबंधी रिकार्ड उपलब्ध कराने, भूमि पर आने-जाने का रास्ता खुलवाने, खेत पर जाने-जाने का रास्ता खुलवाने,बिमारी के उपचार हेतु आर्थिक सहायता का लाभ दिलाने, तथा अन्य विभागों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकरणों सहित विभिन्न समस्याओं, मांगों संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी आवेदक को अपनी बुनियादी समस्याओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम : कलेक्टर

जनशिक्षकों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण डाइट धार में शुरू

धार। कलेक्टर राजीव रंजन मीना के निर्देशन और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) धार के प्राचार्य मनोज कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में जनशिक्षकों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण सोमवार से डाइट परिसर में प्रारंभ हुआ है। यह प्रशिक्षण 20 जुलाई से 24 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उद्घाटन अवसर पर रक्षित निरीक्षक धार श्री पुरुषोत्तम बिश्नोई ने उपस्थित जनशिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी जनशिक्षकों से पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं उत्तरदायित्व के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस जनशिक्षकों की अकादमिक उन्नयन में भूमिका, अकादमिक मेंटरिंग, विद्यालय मॉनिटरिंग, पाठ्य-सहगामी गतिविधियाँ, जॉयफुल लर्निंग तथा आदर्श विद्यालय निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन संवाद एवं विचार-विमर्श किया गया। प्रशिक्षण में प्रशिक्षण प्रभारी श्री कमल सिंह ठाकुर, श्री भूषण देशपांडे, बीएसी श्री शेखर त्रिवेदी, श्री अनोखीलाल चौधरी तथा इंदौर जिले के सीएसी श्री राकेश विजयवर्गीय और हामिद खालिद अंसारी ने अपने अनुभव साझा करते हुए विभिन्न विद्यालयों में किए गए सकारात्मक एवं नवाचारी शैक्षणिक प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखा गया।

स्कूलों के कार्यों की मॉनिटरिंग भी होगी...

डाइट धार द्वारा प्रशिक्षण उपरांत जनशिक्षकों के कार्यों एवं विद्यालय मॉनिटरिंग का विश्लेषण भी किया जाएगा, जिससे प्रशिक्षण के प्रभाव का आंकलन कर उसे और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। जिन जनशिक्षा केंद्रों से जनशिक्षक प्रशिक्षण में उपस्थित नहीं हुए हैं, उन्हें आगामी चरण में अनिवार्य रूप से सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। संचालन रामगोपाल शर्मा द्वारा किया गया।

एक नजर में

समन्वय समिति की कार्यशाला हुई दो सत्रों में

मनावर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन मे नगर के गायत्री शक्ति पीठ में गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओ की जिला स्तरीय समन्वय समिति के द्वारा आयोजित कार्यशाला दो सत्रों में संपन्न हुई । मुख्य अतिथि महेश केवट उपजोन इंदौर एवं गायत्री परिवार के जिला समन्वयक हीरालाल पाटीदार के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर देवपुजन किया गया। जिला समन्वयक पाटीदार ने माताजी के जन्म शताब्दी वर्ष में शांतिकुंज से जिले को दिए गए लक्ष्य और उद्देश्य का प्रतिवेदन,स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर उपझोन प्रभारी महेश केवट ने बताया कि गायत्री परिवार से जुड़ने पर उपासना, साधना, अराधना नियमित सभी कार्यकर्ताओं को करना चाहिए। साथ ही हमारे मिशन के कार्य के लिए समय दान अंशदान भी करना चाहिए। उन्होंने प्रज्ञा पुंज, प्रज्ञा पुत्र, प्रज्ञा परिजन के बारे में विस्तार से बताया गया। गायत्री परिवार से जुड़कर काम करने वाले कार्यकर्ता को लोकसम्मान,देवी अनुग्रह, ओर आत्मसंतोष मिलने की बात भी उन्होंने बताई। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला प्रभारी शांतिलाल विश्वकर्मा ने आगामी समय में होने वाली भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के माध्यम से विद्यालयो में ज्ञान दीक्षा संस्कार, विद्या आरंभ एवम सुंदर मंत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित करने की जानकारी दी। गायत्री परिवार के सात आंदोलनों की जानकरी देते हुए विस्तार से व्याख्या की। गायत्री परिवार के व्यसन मुक्ति आंदोलन के जिला प्रभारी धर्मेंद्र मकवाना ने आगामी माह में धरमपुरी तहसील में जिला स्तरीय व्यसन मुक्ति रैली की तैयारी के बारे मे सभी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पुष्पा खंडेलवाल, , रेखा खंडेलवाल, , डा.धन्नालाल पाटीदार, गिरधारी लाल मालवीया, प्रताप सिंह अंचल, भूरेसिंह सोलंकी एवं जिले के गायत्री परिवार के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यशाला का संचालन जिला सह समन्वयक प्रवीण पाटीदार ने किया। कार्यशाला में आए सभी कार्यकर्ताओं का प्रखर खंडेलवाल ने आभार प्रकट किया। अंत में विश्व शांति के लिए विशेष प्रार्थना और शांतिपाठ किया गया।

आचार्य विजय जयरत्न सूरीश्वरजी का नगर प्रवेश

बाग/सायला। पूज्य आचार्यदेव विजय जयरत्न सूरीश्वरजी महाराज का सायला नगर में भव्य नगर प्रवेश श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। नगरवासियों एवं श्रीसंघ ने आचार्यश्री का भावपूर्ण स्वागत किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ट्रस्ट पक्षाल सेक्रेट्री जैन का भी श्रीसंघ द्वारा बहुमान एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य प्रांतीय,पधादिकारी उपस्थित रहे। अपने मंगल प्रवचन में आचार्यदेव विजय जयरत्न सूरीश्वरजी महाराज साहब ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, कर्म निर्जरा, तप, जप, स्वाध्याय एवं आराधना का सर्वोत्तम अवसर है। इस पावन काल का सदुपयोग कर प्रत्येक व्यक्ति को धर्म आराधना के माध्यम से अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रस्ट-पक्षाल सेक्रेट्री जैन ने कहा कि गुरु कृपा, गुरु वचनों का पालन तथा धर्म के प्रति अटूट आस्था ही जीवन को सही दिशा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि गुरुजनों के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से ही उन्हें ट्रस्ट बनने की शक्ति, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अपने उद्बोधन में उन्होंने श्रद्धालुओं से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि सभी श्रद्धालु मध्यप्रदेश के बाग नगर स्थित पुण्यसम्राट श्री जयंतसेन सूरीश्वरजी महाराज साहब की मौन साधना-भूमि पर अवश्य पधारें तथा उस पावन तपोभूमि के दर्शन एवं आध्यात्मिक अनुभूति का लाभ प्राप्त करें। अंत में उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को चातुर्मास की मंगलमय सफलता एवं धर्म आराधना की शुभकामनाएँ दीं।

बाग पुलिस ने स्थाई वारंटी को किया गिरफ्तार

बाग। पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा द्वारा सम्पति सम्बंधि अपराधों में फरार आरोपियो की धरपकड़ के लिए निर्देशित किये जाने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बाग निरीक्षक हिरुसिह रावत द्वारा टीम गठित की गई है। टीम द्वारा थाना बाग के झपटमारी के प्रकरण में तीन वर्षों से से फरार चल रहे स्थाई वारंटी रायसिंह पिता थानसिंह जाति भील निवासी ढिलवानी को मुखबीर सूचना पर दबीश देकर घेराबंदी कर स्थाई वारंटी गिरफ्तार कर वारंटी को कुक्षी कोर्ट में पेश किया गया। यहां से जेल वारंट बनने पर जिला जेल दाखिल किया गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक हिरुसिह रावत, प्र.आर. रेलमसिह भिन्डे, प्र.आर. कैलाश गेहलोत, आर. राजू चौहान, आर. अजय शर्मा का योगदान रहा है।

उत्साह के साथ निकली भगवान जगन्नाथ रथयात्रा

मनावर। विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथपुरी उड़ीसा के पूरी में निकली रथयात्रा की तर्ज पर नगर में रविवार को भगवान श्री जगन्नाथ की द्वितीय भव्य रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। रथ में भगवान श्री जगन्नाथ के साथ बलभद्र एवं माता सुभद्रा विराजित रहे। रथयात्रा श्री बंकनाथ अटल दरबार मंदिर से प्रारंभ हुई। रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे नगर में जय जगन्नाथ के जयघोष, हरिनाम संकीर्तन, ढोल-ताशों और भजन-कीर्तन से भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया। नन्हें बच्चे, युवा तरुनाई और महिलाओं ने हरे कृष्णा की सुमधुर धून पर जमकर नृत्य किया और गगनभेदी जयकारे लगाए।

हजारों गौ सेवक एकत्रित होंगे 27 जुलाई को

धार। गो सम्मान आह्वान के अंतर्गत द्वितीय चरण में अब कलेक्टर को दिए जाएंगे। लाखों हस्ताक्षर युक्त पत्र जिसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मांग की थी कि गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा मिले। देश में गौ हत्या बंद हो व इस पर कठोर कानून बने इससे पूर्व 27 अप्रेल को देश की सभी तहसील स्तर पर तहसीलदार को यह पत्र सौंपा गया था। 27 जुलाई को जिले की सभी गौ शाला से गौ

भक्त धार के त्रिमूर्ति स्थिति अभिव्यक्ति स्थल पर एकत्रित होकर वहां से कलेक्ट्रेट तक पैदल भजन करते हुए जाएंगे कलेक्टर को प्रार्थना पत्र सौंपेंगे किसी को लेकर वेद लक्षण जिला रक्षा संगठन का एक प्रतिनिधि मंडल धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना जी से मिला इस अवसर पर वेद जिला गौ रक्षा संगठन के संरक्षक अशोक सिंह रघुवंशी, नरेश राजपुरोहित, महेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष विजय पाटीदार, उपाध्यक्ष शैलेश पवार, आशीष त्रिवेदी, हर सिंह बरिया, के साथ ही जिले की गौशालाओं से आए पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्कूलों में जल्दी लग रहे हैं ताले शिक्षकों का नहीं लगता मन

गंधवानी। गंधवानी विकासखंड की सरकारी स्कूलों में जल्दी ताले लग जाते हैं शिक्षकों का मन विद्यालय में रहने का नहीं होता है यहां पर स्कूलों में सुबह देर से स्कूल खुलता है और जल्दी बंद हो जाती है जबकि समय से बंद करने के लिए अधिकारियों ने निर्देश दिए थे लेकिन बावजूद उसके इस पर कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है क्षेत्र में स्कूलों की यही स्थिति है वही विकासखंड शिक्षा स्त्रोत समझ में कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी समय-समय पर निर्देश देते हैं स्कूलों को खोलने के लिए कहते हैं लेकिन शिक्षकों की मनमानी भारी है मामले में अधिकारियों ने बताया कि समय से पूर्व स्कूल बंद करने के मामले में कार्रवाई की जाएगी।

बीकॉम विद्यार्थियों का लोटस कंपनी में चयन

धार। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धार के वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित बी.कॉम. रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का बीओएटी (बोर्ड ऑफ एप्रिंटशीप ट्रेनिंग) के माध्यम से प्रतिष्ठित लोटस कंपनी में आयोजित साक्षात्कार के उपरांत अप्रेंटिसशिप हेतु चयन किया गया है।

चयनित विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप के दौरान 15 हजार रूपए प्रतिमाह स्टाइपेंड भी प्राप्त होगा। इस अप्रेंटिसशिप के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योग जगत का व्यावहारिक प्रशिक्षण, आधुनिक रिटेल प्रबंधन का अनुभव तथा कार्यस्थल पर आवश्यक कौशल

विकसित करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके रोजगार की संभावनाएँ और अधिक सुदृढ़ होंगी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. एस. बघेल ने चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनी में चयन महाविद्यालय एवं वाणिज्य विभाग के लिए गर्व का विषय है तथा इससे अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट की नोडल अधिकारी डॉ. रायकू जमरा ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बी.कॉम. रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करता है। बीओएटी के माध्यम से प्राप्त यह अप्रेंटिसशिप विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य अनुभव, व्यावसायिक दक्षता तथा भविष्य में बेहतर रोजगार एवं करियर निर्माण के नए अवसर प्रदान करेगी। वाणिज्य विभाग ने चयनित सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपनी अप्रेंटिसशिप सफलतापूर्वक पूर्ण कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित करेंगे।

खुरासानी इमली के संरक्षण को जिला प्रशासन की पहल

धार। मांडू की विशिष्ट पहचान और जीआई टैग प्राप्त दुर्लभ खुरासानी इमली के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज नेहा ग्रीन वाटिका नर्सरी, मांडव की संचालक नेहा वीरेंद्र जायसवाल ने जिला कलेक्टर राजीव रंजन मीना से भेंट कर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की।

जायसवाल ने खुरासानी इमली के संरक्षण, इसके व्यापक पौधारोपण की आवश्यकता और वर्तमान में नर्सरी द्वारा पौधों के उत्पादन पर विस्तृत जानकारी

साझा की। उन्होंने खुरासानी इमली संरक्षण एवं विकास योजना का प्रस्ताव रखते हुए इसे मांडू की अमूल्य प्राकृतिक संपदा के रूप में संरक्षित करने पर चर्चा की।

जिला कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मांडू की वनस्पति विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना एक महत्वपूर्ण कार्य है। कलेक्टर ने योजना के सुदृढ़ीकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और जल्द ही नर्सरी का निरीक्षण करने के साथ ही इस दिशा में सक्रियता दिखाई।

इस पहल का उद्देश्य मांडू के पारिस्थितिकी तंत्र में खुरासानी इमली की उपस्थिति को पुनर्जीवित करना है, ताकि स्थानीय धरोहर को सुरक्षित रखा जा सके।

बाग प्रिंट कला को वैश्विक पहचान दिलाने वाले मोहम्मद आरिफ़ खत्री मानद डॉक्टरेट से सम्मानित

बाग। धार जिले की बाग प्रिंट क्षेत्र ही नहीं मध्यप्रदेश की विश्वविख्यात बाग प्रिंट कला ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाग प्रिंट को नई पहचान दिलाने वाले मास्टर शिल्पकार मोहम्मद आरिफ़ खत्री को उत्तर प्रदेश सरकार ने मानद डाक्टरेट प्रदान की है। उन्हें भारतीय पारंपरिक बाग प्रिंट हस्तशिल्प के संरक्षण, संवर्धन, नवाचार तथा इस कला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाने में उनके असाधारण योगदान के लिए मां शाकम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा मानद डॉक्टरेट की डॉक्टर ऑफ लेटर्स की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला, उत्तर प्रदेश की राज्य मंत्री रजनी तिवारी तथा उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव सुधीर बोबडे ने प्रदान किया।

एक नजर में

सांस्कृतिक आत्मगौरव और राष्ट्रीय दायित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श का मंच पर मंथन

भोजशाला-सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर राष्ट्रीय विमर्श

धार। राजाभोज स्मृति व्याख्यानमाला आयोजन समिति, धार द्वारा मिलन महल, जेएमडी, धार में भोजशाला : भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण दिशा, दृष्टि एवं दायित्व विषय पर एक विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है।

समिति के अनुसार यह आयोजन केवल भोजशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, ज्ञान परंपरा, ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक आत्मगौरव और राष्ट्रीय दायित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श का मंच बनेगा। कार्यक्रम में

इतिहास, वैचारिक दृष्टि और भविष्य की दिशा—इन तीनों आयामों पर विषय विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

व्याख्यानमाला में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं प्रख्यात इतिहासकार डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय भोजशाला के ऐतिहासिक पक्ष, उपलब्ध प्रमाणों तथा भारतीय इतिहास में उसके महत्व पर प्रकाश डालेंगे।

प्रख्यात चिंतक, लेखक एवं सामाजिक विश्लेषक श्री प्रशांत पोल भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विमर्श और भारतीय सभ्यता की निरंतरता के वैचारिक पक्ष पर अपने विचार साझा करेंगे।

शिक्षा, युवाओं की भूमिका पर डाला प्रकाश

वहीं, ऑर्गेनाइज़र साप्ताहिक के संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल केतकर समाज, शिक्षा, मीडिया और युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की भावी दिशा पर अपने विचार रखेंगे। आयोजन समिति का कहना है कि इस व्याख्यानमाला का उद्देश्य राजा भोज की ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करना तथा धार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ना है। साथ ही समाज में इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता, शोध तथा सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। समिति ने इतिहासकारों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रबुद्ध नागरिकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों से कार्यक्रम में सहभागिता का आग्रह किया है।